प्रारुप क्रमांक 01 शिक्षण अनुभव प्रमाण पत्र प्रारुप

पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

बी.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शिक्षण अनुभव प्रमाण पत्र

विद्यालय का पंजीयन क्रमांक .....

विद्यालय का नाम .....

विद्यालय का पता .....

विद्यालय का दूरभाष क्रं .....

विद्यालय द्वारा अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने का जावक क्र. एवं दिनांक – .....

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/ कु. .....

पिता/पति ..... इस विद्यालय में .....पद पर

दिनांक ..... से निरंतर वर्तमान मे कार्यरत है।

हस्ताक्षर
प्राचार्य/प्रधानाध्यापक
नाम –.....
–

हस्ताक्षर
जिला शिक्षा अधिकारी/ ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
नाम –.....सील
सील –

नोट :– उक्त प्रमाणपत्र में किसी भी प्रकार की काँट–छाँट, ओवर राईटिंग या सफेदा लगा होने की दशा में प्राचार्य के उस जगह पर काउंटर साइन व सील होना अनिवार्य होगा अन्यथा अनुभव प्रमाण पत्र मान्य नहीं होगा व प्रवेश निरस्तकिया जावेगा। शाला प्राचार्य/प्रधानाध्यापक का नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखा जाना अनिवार्य है। यह प्रमाण पत्र काउंसिलिंग के दौरान ही उपयोग में लाया जावेगा अतः काउंसलिंग के दौरान ही बनवाएं ताकि तत्कालीन तिथि प्रमाण पत्र में अंकित हो।<u>अनुभव प्रमाण पत्र हेतु महत्वपूर्ण निर्देश</u> अनुभव प्रमाण पत्र के उपरोक्त प्रारूप को सावधानीपूर्वक प्राचार्य/प्राधानपाठक से पूर्ण रुप से भरवाकर सत्यापन के दौरान मूलप्रति में जमा करना अनिवार्य होगा। अनुभव प्रगाण पत्र इसी निर्धारित प्रारुप में स्वीकार्य होगा। अनुभव प्रगाण पत्र किसी भी प्रकार की कांट–छांट न करें।

Scanned by CamScanner

पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

बी.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शिक्षण अनुभव प्रमाण पत्र

विद्यालय का पंजीयन क्रमांक _ .....

विद्यालय का नाम .....

विद्यालय का पता .....

विद्यालय का दूरभाष क्रं .....

विद्यालय द्वारा अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने का जावक क्र. एवं दिनांक – .....

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/ कु. .....

पिता/पति ..... इस विद्यालय में .....पद पर

दिनांक ..... से ..... तक कार्य किया है।

हस्ताक्षर
प्राचार्य/प्रधानाध्यापक
नाम –.....
–

हस्ताक्षर
जिला शिक्षा अधिकारी/ ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
नाम –.....सील
सील –

नोट :– उक्त प्रमाणपत्र में किसी भी प्रकार की काँट–छाँट, ओवर राईटिंग या सफेदा लगा होने की दशा में प्राचार्य के उस जगह पर काउंटर साइन व सील होना अनिवार्य होगा अन्यथा अनुभव प्रमाण पत्र मान्य नहीं होगा व प्रवेश निरस्तकिया जावेगा। शाला प्राचार्य/प्रधानाध्यापक का नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखा जाना अनिवार्य है। यह प्रमाण पत्र काउंसिलिंग के दौरान ही उपयोग में लाया जावेगा अतः काउंसलिंग के दौरान ही बनवाएं ताकि तत्कालीन तिथि प्रमाण पत्र में अंकित हो।<u>अनुभव प्रमाण पत्र हेतु महत्वपूर्ण निर्देश</u> अनुभव प्रमाण पत्र के उपरोक्त प्रारूप को सावधानीपूर्वक प्राचार्य/प्राधानपाठक से पूर्ण रुप से भरवाकर सत्यापन के दौरान मूलप्रति में जगा करना अनिवार्य होगा। अनुभव प्रमाण पत्र इसी निर्धारित प्रारुप में स्वीकार्य होगा। अनुभव प्रमाण पत्र किसी भी प्रकार की कांट–छांट न करें।

Scanned by CamScanner

प्रारुप क्रमांक 03 (न्यूनतम 2 वर्ष का कार्य करने का अनुभव प्रमाण–पत्र)

पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

डी.एल.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शिक्षण अनुभव प्रमाण–पत्र

विद्यालय का पंजीयन क्रमांक .....

विद्यालय का नाम .....

विद्यालय का पता .....

विद्यालय का दूरभाष क्रं .....

विद्यालय द्वारा अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने का जावक क्र. एवं दिनांक – .....

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/ कु. .....

पिता/पति ..... इस विद्यालय में .....पद पर

दिनांक ..... से ..... तक कार्य किया है।

सील

हस्ताक्षर

प्राचार्य/प्रधानाध्यापक

नाम –.....

नोट :– उक्त प्रमाणपत्र में किसी भी प्रकार की काँट–छाँट, ओवर राईटिंग या सफेदा लगा होने की दशा में प्राचार्य के उस जगह पर काउंटर साइन व सील होना अनिवार्य होगा अन्यथा अनुभव प्रमाण पत्र मान्य नहीं होगा व प्रवेश निरस्तकिया जावेगा। शाला प्राचार्य/प्रधानाध्यापक का नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखा जाना अनिवार्य है। यह प्रमाण पत्र काउंसिलिंग के दौरान ही उपयोग में लाया जावेगा अतः काउंसलिंग के दौरान ही बनवाएं ताकि तत्कालीन तिथि प्रमाण पत्र में अंकित हो।

अनुभव प्रमाण पत्र हेतु महत्वपूर्ण निर्देश

1. अनुभव प्रमाण पत्र के उपरोक्त प्रारूप को सावधानीपूर्वक प्राचार्य/प्राधानपाठक से पूर्ण रुप से भरवाकर सत्यापन के दौरान मूलप्रति में जमा करना अनिवार्य होगा। अनुभव प्रमाण पत्र इसी निर्धारित प्रारुप में स्वीकार्य होगा। अनुभव प्रमाण पत्र किसी भी प्रकार की कांट–छांट न करें।
2. दो अलग–अलग शाला में अध्यापनरत रहें शिक्षकों को दो अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे। जिसमें पहला न्यूनतम 2 वर्ष का अनुभव दर्शाता हो एवं दूसरा जो की वर्तमान में छत्तीसगढ़ की शाला में अध्यापनरत होना दर्शाता हों।

Scanned by CamScanner

प्रारुप क्रमांक 04 (वर्तमान में कार्यरत होने का अनुभव प्रमाण–पत्र)

पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

डी.एल.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शिक्षण अनुभव प्रमाण पत्र

विद्यालय का पंजीयन क्रमांक .....

विद्यालय का नाम .....

विद्यालय का पता .....

विद्यालय का दूरभाष क्रं .....

विद्यालय द्वारा अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने का जावक क्र. एवं दिनांक – .....

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/ कु. .....

पिता/पति ..... इस विद्यालय में .....पद पर

दिनांक .....से निरंतर वर्तमान मे कार्यरत है।

सील

हस्ताक्षर

प्राचार्य/प्रधानाध्यापक

नाम –.....

नोट :– उक्त प्रमाणपत्र में किसी भी प्रकार की काँट–छाँट, ओवर राईटिंग या सफेदा लगा होने की दशा में प्राचार्य के उस जगह पर काउंटर साइन व सील होना अनिवार्य होगा अन्यथा अनुभव प्रमाण पत्र मान्य नहीं होगा व प्रवेश निरस्तकिया जावेगा। शाला प्राचार्य/प्रधानाध्यापक का नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखा जाना अनिवार्य है। यह प्रमाण पत्र काउंसिलिंग के दौरान ही उपयोग में लाया जावेगा अतः काउंसलिंग के दौरान ही बनवाएं ताकि तत्कालीन तिथि प्रमाण पत्र में अंकित हो।

अनुभव प्रमाण पत्र हेतु महत्वपूर्ण निर्देश

1. अनुभव प्रमाण पत्र के उपरोक्त प्रारूप को सावधानीपूर्वक प्राचार्य/प्राधानपाठक से पूर्ण रुप से भरवाकर सत्यापन के दौरान मूलप्रति में जमा करना अनिवार्य होगा। अनुभव प्रमाण पत्र इसी निर्धारित प्रारुप में स्वीकार्य होगा। अनुभव प्रमाण पत्र किसी भी प्रकार की कांट–छांट न करें।
2. दो अलग–अलग शाला में अध्यापनरत रहें शिक्षकों को दो अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे। जिसमें पहला न्यूनतम 2 वर्ष का अनुभव दर्शाता हो एवं दूसरा जो की वर्तमान में छत्तीसगढ़ की शाला में अध्यापनरत होना दर्शाता हों।

Scanned by CamScanner

बी.एड./ डी.एल.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु

प्रारुप क्रमांक 05 शपथ पत्र का प्रारुप

(10/– रु. के स्टाम्प में नोटरी कराकर ही शपथ पत्र देवें)

मैं .....

पिता/पति .....

प्रवेश परीक्षा अनुक्रमांक ..... यह घोषणा करती/करता हूँ कि मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त समस्त जानकारी, संलंग्न प्रमाण–पत्रों की छाया प्रति सत्य व सही है। यदि मेरे द्वारा दी गई जानकारी गलत अथवा झूठी पाई जाती है तो उसके परिणाम स्वरुप मुझे यह स्वीकार होगा कि विश्वविद्यालय प्रशासन मेरे प्रवेश एवं उपरोक्त पाठ्यक्रम की उपाधि को किसी भी समय निरस्त करने एवं मेरे विरुद्व किसी भी प्रकार की कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र होगा।

–

–

दिनांक –

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

स्थान –

Scanned by CamScanner